

[illegible]

- मध्य प्रदेश के इन्दौर, रायलाम व मन्दसौर जिलों में बहते हुए चौरासीगढ़ (चिर्लोडगढ़) से राजस्थान में प्रवेश करती है
- यह नदी राजस्थान के चिर्लोडगढ़ - जोरा - धौदी - सवाई माधोपुर - जोरा - चोल्पुर कुल 6 जिलों में बहने के बाद उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर इलाहाबाद जिले के मुरादगंज नामक स्थान से यमुना नदी में मिल जाती है
- इस नदी पर → चिर्लोडगढ़ = पुलिसा पर उपात
राणा उत्तम सागा (घोष)

ओरा → चबल नदी ओरा में क-पराए बनाती है

→ हेगिंग बिज (सुलता हुआ पुल)

→ जवाहर सागर बाँध (बोरावास)

→ ओरा बैराज (ओरा)

सवाई माचोपुर → चबल-बनास व सीप नदियों का त्रिवेणी
संगम (रामेश्वराम)

→ रामेश्वराम धाम महर्षि परशुराम जी की लपोहचाल

→ रामेश्वराम धाम - भगवान शिव का 12वाँ ज्योतिर्लिंग

करौली → पबल नदी सांग / उत्खात क्षेत्र बनाती है

नोट-10 करौली को सांग की रानी व चोलपुर को सांग का राजा कहते हैं।

② करौली का सांग क्षेत्र राज्य में साकुप्रों की शरण स्थली माना जाता है

चोलपुर → पबल नदी की दक्षिण क्षेत्र बनाती है

→ यह नदी राज्य में सर्वाधिक अवनातिका अपरदन करती है

→ यह नदी गहरा गार्ज बनाती है

→ यह नदी वृक्षाकार रूप में बहती है

- यह नदी राजस्थान व MP के साथ सबसे लम्बी नदी जल सीमा रेखा का निर्धारण करती है। (252 किलोमीटर)
- यह नदी वाटर सफ़ारी हेतु उत्तिष्ठ है।
- पंचाल क्षेत्र में सैम की समझौता के निदान हेतु राजाड. परिचोपना 254 की गई।
- नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत परण में शामिल नदी
- इस नदी का वर्णन आलीदास ने मेघदूत में किया है।
- यह राज्य की सबसे लम्बी नदी है।
- इस नदी में शामिल नेट्टीन जीव गंगेय सुंस (गंगा डेल्टाफिन) व धडिपाल देखे जाते हैं।

→ સાદાપણ નદિયાં

વનાસ, બાતલી સિન્ધ, પાર્વતી, પરવન, આદુ, ખાબળ
પન્ડ માગા, સીપ, કુરુલ, મેજ, નિમાજ, ઘોડા પદાડ.

→ મધ્ય ઉદેશ મે મિલને વાલી નદિયાં :

શિવાન, રતમ, શિખા
→ મધ્ય ઉદેશ લે મદસૌ જિલે મે પંચલ નદી પર ગાંધી સાગર
બાંધે બની હો

वनास नदी :-

